बीज संचयक

Author: Bijal Vachharajani
Illustrator: Jayesh Sivan
Translator: Kiran Choudhary



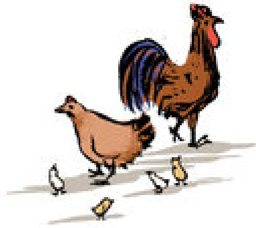
Level 3




रुइ के खेती केनिहार कृषक लोकनि चिन्तित छथि।
पछिला बर्ष उपजा बहुत कम भेल छल।

सम्प्रति गृष्म काल अछि, रूइ के बीयाक बाँग करवाक उपयुक्त समय। परञ्च एहि सब गाम मे स्थानीय जैविक बीया प्रचुर मत्रा मे उपलब्ध केनाइ तऽ कठिनाह अछि।

की करवाक चाही?, की नहि करवाक चाही? एहि बात लऽ के विजय बाबू चकित भऽ रहल छथि। **"हमरा सब लेल बड़का समस्या अछि"।**







नविता कहलनि जे "बीया तऽ ढ़ेर उपलब्ध अछि बाजार दाम पर।" केतकी कहलनि जे ओहि बीया के उगवैक लेल तऽ कीटनाशक आओर रसायनिक खाद सभक जरूरत पड़त" विजय बाबू बजलाह जे "हम सब तऽ ओहेन बीज चाहैत छी जे अपना सब ओतय नीक जकाँ उपजे, जे बीज अपन सभक माटि अओर वातावरण लेल सर्वोत्तम होइक।"



ताहिपर, सुरेश बाबू कहलनि जे "की करक चाही? की नहि करक चाही?"
हमरा सब लेल ई तऽ बड़का समस्या अछि।

नविता अओर केतकी स्त्रीगण कृषक समूहक सदस्या छथि।
ओ लोकनि एहि विषय पर बैसार केलनि।
ओ लोकनि ग्राम प्रधान सँ सम्पर्क केलनि।
ओ लोकनि कृषक लोकनिक समूह सब सँ बात केलनि।



"की करक चाही? की नै करक चाही?

सभ एहि प्रश्न लऽ चकित छथि।"

हमरा सभ लेल ई पैघ समस्या अछि।

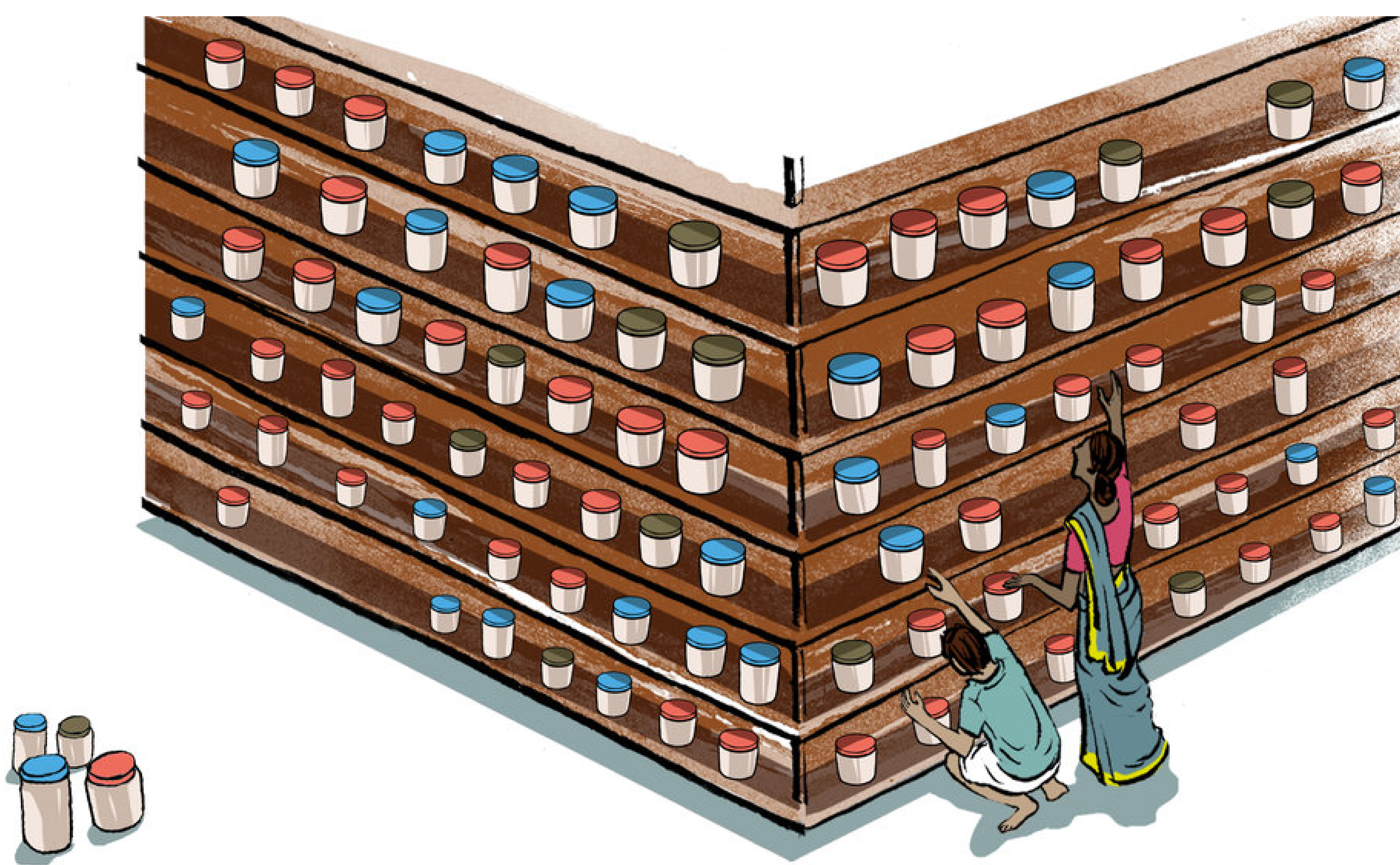
बहुत दिन एहि प्रसंग पर बात केलाक उपरान्त, सभ खुश लागि रहल छथि।
"हम सब जनैत छी जे की करक चाही", नविता बजलीह।

"समस्या ओतबो पैघ नहि अछि। हम सब एकटा बैंक के शुरुआत करब"
विजय बाबू पुछलनि "बैंक कोन तरहें मददि करत।"
"पाई वाला बैंक नहि, बीजक बैंक," केतकी कहलनि।



कृषक लोकनि बीज बैंक शुरु करबाक हेतु सब एक सँग हेताह।
हुनका लोकनिक अपन अपन घर मे जे थोड़ेक बीज हेतनि ओ जमा क देथिन।





एक टा बीज बैंक ओहिना काज करैत अछि जेना एक टा बैंक!
बैंक मऽ लोक अपन- अपन टका जमा कऽ कऽ बचत करैत छथि।
बीज बैंक मे, कृषक लोकनि बीज बचत करैत छथि!

पुरना बीया स्थानीय बीया आर्गेनिक बीया रुइक बीया



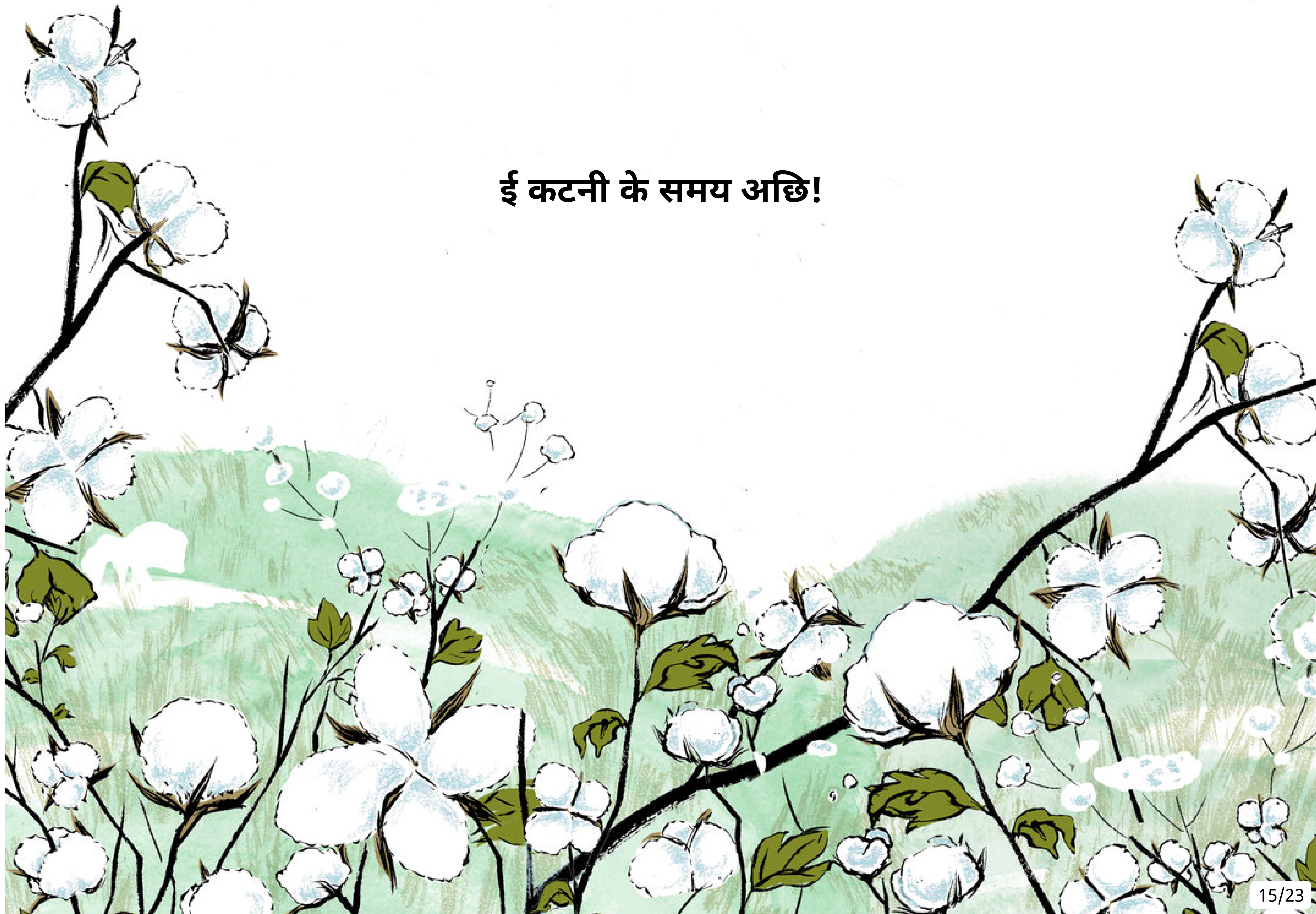
सुमति एक कीलो रुइ के बीया बैंक सँ कर्ज लैत छथि। नविता सावधानी पूर्वक ओकरा एकटा रजिस्टर मे दर्ज करैत छथि।

कृपा एक कीलो धानक बीया बैंक मे जमा करैत छथि। केतकी सावधानी पूर्वक बीया के एक टा डिब्बा मे संग्रहित करैत छथि।

बीया बाँग होइत अछि आओर ओकरा पानि सँ सिंचित कैल जाइत अछि। मौनसुन अबैत - जाइत अछि।



ई कटनी के समय अछि!



एहि वर्ष कृषक लोकनि के रुइ फसल के उपजा बढ़ियाँ भेलनि अछि।
अपन संगी -साथी सँग ओ लोकनि आयोजन कऽ खुशी मनबैत छथि।





सुमति के रुइ बीजक उपजा सँ लाभ अधिक होइत छनि। डेढ़ कीलो रुइ के बीया बैंक मे जमा कय, ओ अपन बीजक कर्ज ब्याज समेत चुका दैत छथि।

केतकी ओकरा सावधानी पूर्वक रजिस्टर मे नोट क लैत छथि। नविता सावधानी पूर्वक बीया के डिब्बा मे संग्रहित कऽ राखि लैत छथि।

आब बीज बैंक मे ढेरक ढेर बीया अछि। अगिला सालक बीया हेतु।अगिला साल दर सालक बीयाक आवश्यकताक पूर्ति हेतु। रुइ कृषक लोकनिक हेतु आब ई पैघ समस्या नहि रहल। कारण हुनका लोकनिक बीज बैंक बड़ पैघ भऽ गेल अछि। आब बीया सब ठाम उपलब्ध अछि, बैंक मे, खेत मे आओर ठाम ठाम!



बीज बैंकर भोजन हेतु अन्न अओर कपड़ा हेतु रुइधागा बास्ते। हमरा सब के जरुरत पड़ैत अछि बीया कऽ, परञ्च बीया हेतु अधिक खर्च भऽ सकैत अछि। एकटा बीया होइत अछि संकर किस्म के बीया जे फेर सँ रोपल नहि जा सकैत अछि अओर ओकरा कटनी उपरान्त फेक देल जाइत अछि। किछु ओहेन बीया होइत अछि जकरा उपजाबैक लेल किछु रसायन आवश्यक होइत अछि। ई सब बीया होइत अछि आनुवांशिक रुपेण परिष्कृत। किछु ओहेन बीया होइत अछि जे दुनियाक दोसर हिस्सा सँ उपलब्ध होइत अछि आओर जे अहाँक क्षेत्र मे उपलब्ध माटि लेल उपयुक्त नहि।





स्थानीय आओर आर्गेनिक बीया के उपजा हेतु बचत केला सँ, कृषक के बाजार सँ नै बीया खरीदबाक प्रयोजन पड़तनि आओर नै रसायन के प्रयोजन। नियमित बैंक जकाँ, ओ लोकनि बीया जमा क सकैत छथि। ओ लोकनि कर्ज रूप मे बैंक सँ बीया लऽ लेता आओर उपजा बाद ओकरा चुकता कs सकैत छथि किछु अलग सँ बीया, ब्याज रुप मे दैत।

ई किस्सा प्रेरित अछि अपन भारत देशक उड़िसा राज्य स्थित भिमडाँगा गाम मे अवस्थित माँ **लंकेश्वरी बीज बैंक सँ।** चेतना आर्गेनिक नामक एक टा समूह अछि।

ओ समूह कृषक लोकनि के सहायता बीज बैंक प्रारम्भ करबाक लेल **संगहि रुइ के** बीया आ अन्य फसलक बीया ओहि बैंक मे जमा करैक लेल केलनि।



बीज के बचत उद्येश्य सँ भारत आओर दुनियाक अन्य देशक कृषक लोकनि, बीज बैंकक स्थापना हेतु एक दोसराक सँग आबि गेल छथि। ओ **सब बैंक** अधिकतर, महिला द्वारा संचालित होइत अछि। ओहि महिला सब कें **बीज बैंकर** वा बीज रक्षक कहल जाइत अछि, कारण ओ लोकनि बीज के रक्षा करैत छथि।





दुनियाक बीज हेतु सेहो एक बैंक अछि आओर ओ शीत एवम दुरस्थ आर्कटिक क्षेत्र मे अछि। ओ बैंक **"स्वलबार्ड ग्लोवल सिड वाउल्ट"** नाम सँ जानल जाइत अछि। ओतऽ सँ अहाँ सम्पूर्ण दुनियाँक 830000 प्रकारक बीज प्राप्त कऽ सकैत छी।

Acknowledgements



Aripana Foundation, Darbhanga, works for the development of North Bihar with a focus on education. Through Project Lemonchoos, it strives to create quality children's literature in the underserved language Maithili. Aripana Foundation has coordinated the creation of this book with several individuals, in partnership with Pratham Books' Storyweaver.

Story Attribution:

This story: बीज संचयक is translated by Kiran Choudhary . The © for this translation lies with Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'The Seed Savers', by Bijal Vachharajani . © Pratham Books , 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

'Beej Sanchayak' has been published on StoryWeaver by Pratham Books. www.prathambooks.org.

Images Attributions:

Cover page: Hands holding plants, by Jayesh Sivan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: group of People sitting under a tree, by Jayesh Sivan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: group of People under a tree, by Jayesh Sivan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: man and woman with animals, by Jayesh Sivan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: A group of people out in the field , by Jayesh Sivan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Agricultural landscape, by Jayesh Sivan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: People gathered for a meeting, by Jayesh Sivan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: An agricultural landscape, by Jayesh Sivan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: A group of happy people, by Jayesh Sivan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: A group of people working indoors, by Jayesh Sivan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.



storyweaver PRATHAM BOOKS

Images Attributions:



Images Attributions:

Page 23: A suspended earthen pot , by Jayesh Sivan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

बीज संचयक

(Maithili)

बीजक बिना त नै कुनु खाय लेल भोजन भेटि सकैत अछि आ नै कुनु पहिरबाक लेल कपड़ा। इ खिस्सा किनको जिनगीक असली खिस्सा सँ प्रभावित अछि, जाहि म ग्रामीण लोकनि एकटा बीज बैंक स्थापित करैत छथि।

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.

